

# Self Respect

30-08-2014



प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

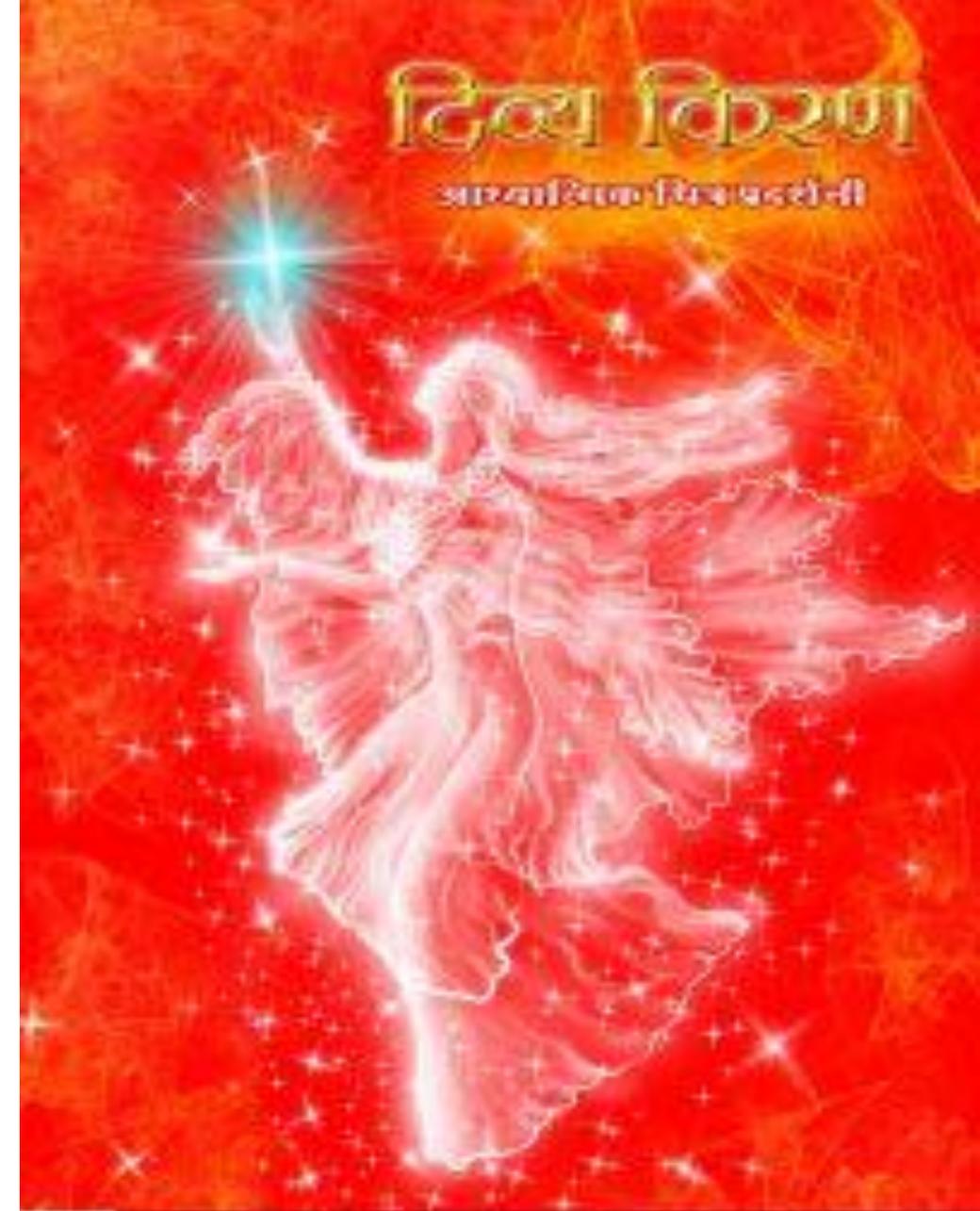
( 117 देशों में 2000 से भी अधिक विद्यालय, एक संयुक्त, एक ही आध्यात्मिक संस्कारों के संघर्ष का संघ )

आध्यात्मिक विद्यालय : आराम, ज्ञान, संतुष्टि, आनंद, Web site: [www.brahmakumaris.org](http://www.brahmakumaris.org)

- ✓ यह जो विष्णु को चक्र दिया है, यह चक्र है तुम्हारा ।
- ✓ बाप कहते हैं तुम लाइट हाउस भी हो, बोलता चलता लाइट हाउस हो ।
- ✓ यह सारे चक्र की नॉलेज तुमको ही है । 84 का चक्र लगाया है ।
- ✓ नई दुनिया को कहा जाता है अमरलोक । अमर अर्थात् तुम सदैव जीते रहते हो । तुम कभी मरते नहीं हो ।



- ✓ बाप कहते हैं तुमको कैसे कमल फूल समान बनना है । परन्तु स्थाई तो तुम नहीं रहते हो इसलिए अलंकार विष्णु को दे दिये हैं । नहीं तो देवताओं को शंख आदि की दरकार है क्या । मुख से सुनाने को शंख ध्वनि कहा जाता है । कमल का राज भी बाप समझाते हैं । तुम ब्राह्मणों को इस समय कमल फूल समान बनना है । गदा है 5 विकारों रूपी माया को जीतने की ।
- ✓ बाप की सहज नॉलेज और सहज बात है । कहते हैं कामकाज करते हुए मुझे याद करो । भल नौकरी आदि करो, भोजन बनाओ तो भी याद में रहकर, तो भोजन भी शुद्ध होगा इसलिए गाया जाता है ब्रह्मा भोजन के लिए देवताओं को भी दिल होती है ।
- ✓ तुम्हारा है बेहद का संन्यास । तुम इस पुरानी दुनिया को ही भूल जाते हो । तुमको फिर जाना है नई दुनिया में ।



प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

( 117 देशों में 2024 में श्री लॉक सेंटरों पर सुरु, पृथ्वी पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी के संदेश का प्रसार )

आध्यात्मिक विद्यालय : 2024-25, 2025-26, 2026-27, Website: www.brahmakumaris.com

- ✓ यह हमारा बहुत जन्मों के अन्त का जन्म है । 84 जन्म पूरे हुए । सूर्यवंशी से चन्द्रवंशी फिर वैश्य, शूद्र वंशी बने... ।
- ✓ पहले- पहले हम स्वर्गवासी देवता थे फिर चन्द्रवंशी क्षत्रिय बने, 2500 वर्ष पूरा हुआ फिर वैश्य शूद्र वंशी विकारी बने । अब हम ब्राह्मण चोटी बनते हैं ।
- ✓ अभी तुम्हारा तो सच्चा तीर्थ है - शान्तिधाम और सुखधाम । तुम हो रूहानी पण्डे । सबको राय देते हो - बाप को याद करो तो शान्तिधाम चले जायेंगे ।
- ✓ तुम हो स्वदर्शन चक्रधारी । देवतायें नहीं हैं । परन्तु इस समय तुम्हारी माया के साथ युद्ध चल रही है ।

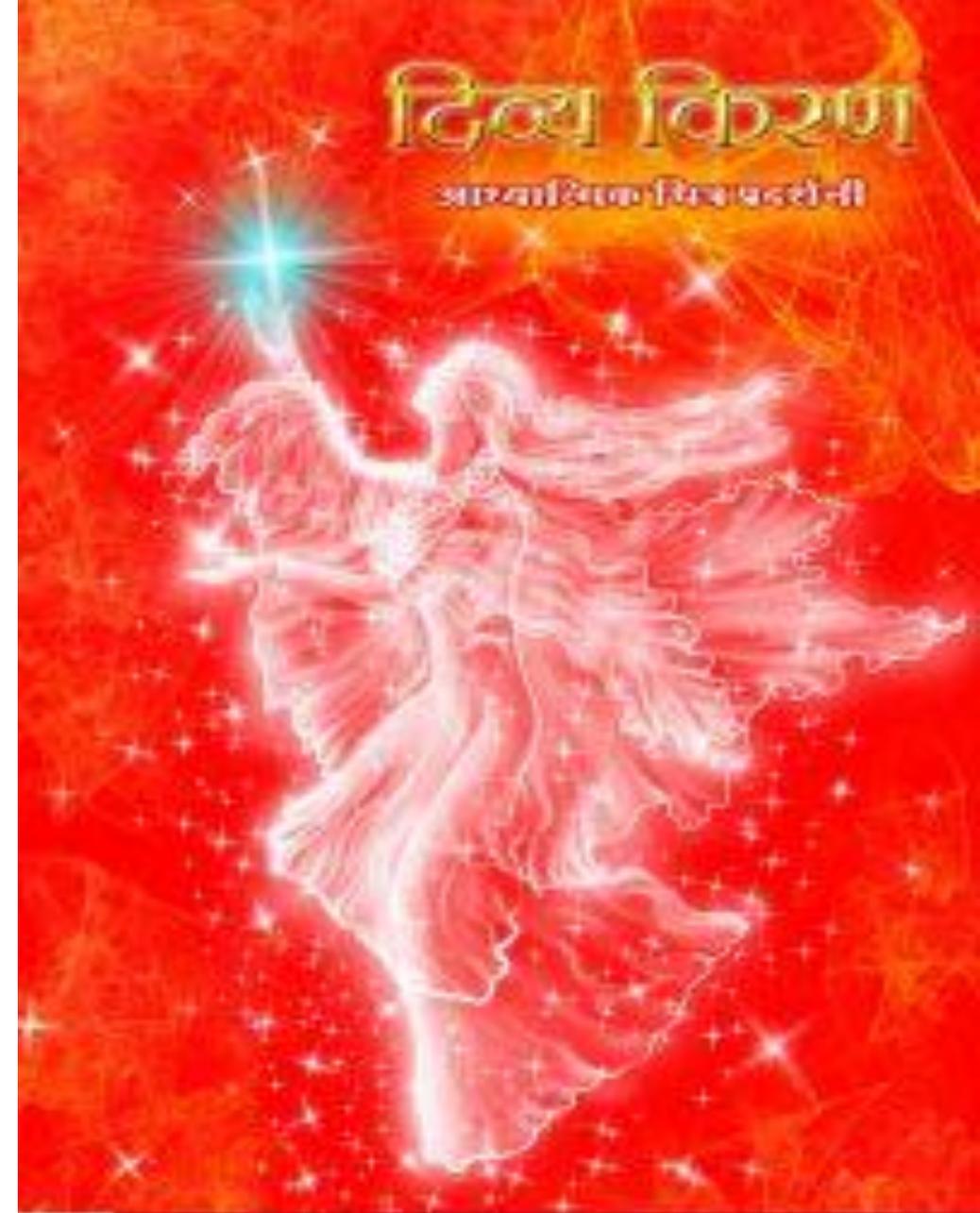


प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

( 117 टोल फ्री नं. 1800 101 0101 से श्री लॉक सेवाकेंद्र एवं संपुर्ण देश में आध्यात्मिक विद्यापीठ के संदेश का प्रसार । )

आध्यात्मिक विद्यापीठ : 117 टोल फ्री नं. 1800 101 0101, दिल्ली, वेबसाइट: www.brahmaputari.com

- ✓ आत्मा का तख्त यह भूकुटी है । इसको कहा जाता है अकाल तख्त । अकाल आत्मा इस तख्त पर विराजमान है । यह तो मिट्टी का पुतला है । सारा पार्ट आत्मा में ही भरा हुआ है ।
- ✓ बाप कहते हैं मैं 5 हजार वर्ष के बाद आता हूँ, तुम बच्चों को वर्सा देने । तुम जानते हो हम आये है हेल्थ, वेल्थ, हैपीनेस का वर्सा लेने । सतयुग में अथाह धन मिलता है । तुम 21 पीढ़ी देवता बनते हो । बुढ़ापे बिगर कभी कोई मरेगा नहीं । यहाँ तो बैठे-बैठे अचानक मर पड़ते हैं । गर्भ में अन्दर भी मर पड़ते हैं ।
- ✓ 84 का चक्र भी बुद्धि में तुम्हारी याद रहेगा । बहुत खुशी रहेगी । तुम जानते हो हम नये विश्व के अर्थात् सतयुग के मालिक बनने वाले हैं ।
- ✓ तुम्हारा सच्चा-सच्चा खुदा दोस्त वह है । अल्लाह अवलदीन का नाटक, हातिमताई का नाटक-सब इस समय के हैं ।



दिव्य किरण  
आध्यात्मिक विद्यपदसेनी



प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

(117 टॉप में 2022 में श्री लॉक-डाउन के बाद सुरु, यह है आध्यात्मिक विद्यपदसेनी के संस्था का लोगो )

आध्यात्मिक विद्यपदसेनी : 2022-2023, 2023-2024, 2024-2025, Website: www.brahmakumaris.com

- ✓ तुम डबल अहिंसक बनते हो । काम कटारी चलाना यह भी हिंसा है ।
- ✓ बाबा तो समझते हैं अभी यह पुराना शरीर छोड़ेगे और गोल्डन स्पून इन माउथ । तुम भी समझते हो हम अमरलोक में जन्म लेंगे तो गोल्डन स्पून इन माउथ होगा ।
- ✓ अच्छा । मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात-पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमोर्निंग। रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।
- ✓ वरदान: श्रीमत की लगाम को टाइट कर मन को वश करने वाले बालक सो मालिक भव !



प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

(113 टॉप में 2024 में भी जीवन केवलिक, एड, एडुके, एडु में आध्यात्मिक विद्यापीठ के संकेत का प्रयोग)

आध्यात्मिक विद्यापीठ : 113 टॉप में 2024 में भी जीवन केवलिक, एड, एडुके, एडु में आध्यात्मिक विद्यापीठ के संकेत का प्रयोग | Website: www.brahmakumaris.com